शोक प्रकाश

विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई राजनेता, कलाकार, समाजसेवी, साहित्यकार और आम नागरिक गुजर गए। इनमें से प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर, कमल किशोर भगत, सामुएल होरो, ज्योतिन सोरेन, डॉ0 गौरीशंकर राजहंस, महेन्द्र प्रसाद, बिरजू महाराज, संगीतज्ञ बप्पी लाहिड़ी, राहुल बजाज, प्रवीण कुमार सोबती, आशुतोष कोईरी, कमाल खान प्रमुख हैं।

भारत की प्रख्यात स्वर कोकिला और संगीत सुरों की गंगोत्री लता मंगेशकर का दिनांक-06 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। लगभग 36 भाषाओं में 30,000 से अधिक गाने गाकर एक जीवित किवदंती बनी सुर साम्राज्ञी के कालजयी युग का अंत हो गया। नूरजहाँ, अमीरबाई और शमशाद बेगम जैसी शख्सियतों के समक्ष लता जी ने स्वयं के सुरों की अपनी लकीर खींची। उन्होंने सभी भावों के बहुरंगी गीत गाए। पार्श्व गायिका के रूप में भारत-चीन युद्ध के समय कवि प्रदीप द्वारा रचित गीत "ए मेरे वतन के लोगों" को गाकर साठ के दशक में देश के प्रत्येक जनमानस को राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत कर दिया था। 1974 में विश्व में सर्वाधिक गीत गाने का गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड रहा है। छः बार फिल्म फेयर पुरस्कार मिलना लता जी की उपलब्धियाँ अद्वितीय हैं। भारतीय फिल्मों में उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए 1969 में "पद्म भूषण", 1989 में "दादा साहब फाल्के पुरस्कार", 1999 में "पद्म विभूषण" से अलंकृत किया गया। वे वर्ष 2000 में राज्यसभा की सदस्य रहीं थी। वर्ष 2001 में देश के सर्वोच्च पुरस्कार "भारत रत्न" से उन्हें सम्मानित किया गया। लता जी ने अपनी आवाज के जादू से देश ही नहीं पूरी दुनिया में पहचान बनाई, वह गीत-संगीत के माध्यम् से सदियों तक हम सभी के बीच जीवित रहेंगी। उनका जाना पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

पूर्व विधायक कमल किशोर भगत का निधन दिनांक-17 दिसम्बर, 2021 को हो गया। श्री भगत आजसू के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वे वर्ष 2009 तथा 2014 में झारखण्ड विधान सभा के सदस्य बने। उनको जनमानस

में "बबलु दा" के नाम से जाना जाता था। वे जनता के बीच अत्यन्त लोकप्रिय थे। श्री भगत झारखण्डी सवालों को लेकर हमेशा सदन और सदन के बाहर भी संजीदा रहते थे। उनका निधन अपूरणीय क्षति है जिससे राज्य को उनकी कमी खलेगी।

झारखण्ड आंदोलनकारी एवं तोरपा के पूर्व विधायक सामुएल होरो का निधन दिनांक-30 दिसम्बर, 2021 को हो गया। सामुएल होरो की झारखण्ड अलग राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। वे 1962 में तोरपा से विधान सभा के सदस्य चुने गए थे।

जनता दल यू के राज्यसभा सांसद और प्रसिद्ध उद्योगपति महेन्द्र प्रसाद का दिनांक-27 दिसम्बर, 2021 को निधन हो गया। वे अविभाजित बिहार से लगातार सात बार राज्यसभा के लिए और एक बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। वह 1985 में पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने।

झंझारपुर के पूर्व सांसद एवं पूर्व भारतीय राजदूत व वरिष्ठ पत्रकार लेखक डॉ0 गौरीशंकर राजहंस का दिनांक-20 दिसम्बर, 2021 को निधन हो गया। वे आठवीं लोकसभा में 1984 से 1989 तक सांसद रहे।

बांका की प्रथम सांसद व लोकसभा में दो बार प्रतिनिधित्व कर चुकीं शकुंतला देवी का दिनांक-09 जनवरी, 2022 को निधन हो गया। वह 1957 में बांका के संसदीय क्षेत्र बनने के बाद पहली बार सांसद बनीं एवं 1962 में भी लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया।

बिहार के पूर्व मंत्री व तीन बार के विधायक रहे प्रो0 नलिनी रंजन सिंह का दिनांक-08 जनवरी, 2022 को निधन हो गया। श्री सिंह 1980 से 1995 तक मुजफ्फरपुर जिला के कांटी से विधायक रहे एवं 1991 से 1995 तक बिहार सरकार में भवन एवं आवास मंत्री रहे थे।

पारम्परिक भारतीय कथक नृत्य शैली को विश्व पटल पर ले जाने वाले प्रख्यात नर्तक बिरजू महाराज का दिनांक-17 जनवरी, 2022 को निधन हो गया। एक असाधारण नृत्य गुरू के रूप में उन्होंने "कथक" को नया आकार और पहचान प्रदान किया। इनका निधन सम्पूर्ण कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

भारतीय सिनेमा के गायक-संगीतकार बप्पी लाहिड़ी का दिनांक-16 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। उनके निधन से संगीत के एक स्वर्ण युग का अंत हो गया।

90 के दशक में अपनी चेतक और प्रिया स्कूटर से देश के मध्यम वर्ग में लोकप्रिय हुए बजाज उद्योग के समूह के चेयरमैन राहुल बजाज का दिनांक-12 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। उन्हें वर्ष 2001 में पद्मभूषण तथा फ्रांस का सर्वोच्च पुरस्कार "नाइट ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर" से सम्मानित किया गया था।

बी0 आर0 चोपड़ा की महाभारत में "भीम" की भूमिका को जीवंत करने वाले और अर्जुन अवार्ड विजेता प्रवीण कुमार सोबती का दिनांक-07 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। हैमर और डिस्कस थ्रो एवं एथलीट के रूप में उन्होंने एशियाई खेलों में 2 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीता था।

पंच परगनिया भाषा के कवि और गीत "पुष्प माला" के रचनाकार आशुतोष कोईरी का दिनांक-16 जनवरी, 2022 को निधन हो गया।

वरिष्ठ टी0वी0 पत्रकार कमाल खान का दिनांक-14 जनवरी, 2022 एवं इंडियन एक्सप्रेस के वरिष्ठ पत्रकार रवीश तिवारी का दिनांक-19 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। उनके निधन से लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को अपूरणीय क्षति हुई है।

नए साल के शुरूआत में ही माता वैष्णो देवी के दर्शन के दौरान 12 लोगों की असामयिक मौत, झारखण्ड के रामगढ़ में चार नागरिकों की सड़क दुर्घटना में असामयिक मौत की घटना तथा छत्तीसगढ़ के बीजापुर में शहीद हुए झारखण्ड के वीर सपूत सी0आर0पी0एफ0 के सहायक कमांडेन्ट शाँति भूषण तिर्की, जम्मू कश्मीर में दो जवानों और अरूणाचल प्रदेश में मातृभूमि की रक्षा करते हुए बर्फीले तूफान की चपेट में आने से 7 जवानों के शहादत की खबर अत्यंत पीड़ादायक है।

कल रात मेरे गृह जिला-जामताड़ा में धनबाद सीमा पर स्थित बराकर नदी पर बरबेंदिया पुल के पास नौका के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कई लोगों की मौत और लापता होने की सूचना है। मैं उनके परिवारजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ।

ईश्वर सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को दुःख की घड़ी में सहन करने की असीम शक्ति प्रदान करें।